LANGUAGE – I : HINDI

निर्देश : प्रस्तुत गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए : (प्र. सं. **1** से **8** तक)

भारतीय नारी सर्वगुण सम्पन्न है, वह उत्सर्ग, त्याग, दया, क्षमा, ममता और सौंदर्य की प्रतीक है । नारी के ये गुण जितने भी विकसित हों, उसका महत्त्व व आकर्षण उतना ही बढ़ता है । भारतीय नारी व्यष्टि में समष्टि को देखती है । इसलिए आदर्श नारियाँ ध्रुव नक्षत्र के समान प्रकाशमान हैं । नारी का ही दूसरा नाम श्रद्धा है । आदर्श नारी के मन की क्षमता इतनी विशाल है जिसे भगवान वामन का पैर भी नहीं माप सकता ।

राष्ट्र निर्माण में नारी का बड़ा महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व है । त्याग, तपस्या, साधना तथा अहिंसा की प्रतिमूर्ति भारतीय नारी एक ऐसी शक्ति है जिसके आधार पर भारतीय समाज में नूतन जागरण की नवल बेला लाई जा सकती है । नारी परिवार की जान है और परिवार के समूह का ही दूसरा नाम समाज है । हमारा वर्तमान समाज दासता के दूषित प्रभाव से केवल मैला ही नहीं हो उठा है, बल्कि इसकी भव्य दीवारें चमकती हुयी मीनारें तथा भारतीय कलाकारों के सुंदर हाथों से संजोई हुयी तस्वीरें टूट-फूटकर धराशायी हो चुकी हैं । माँ के रूप में विधाता की सर्वश्रेष्ठ कृति नारी ही भारतीय अतीत के खंडहर में प्राणों का संचार कर उसे जीवित बना सकती है ।

1. नारी विधाता की सर्वश्रेष्ठ कृति है, क्योंकि वह –
(1) सुंदर होती है ।
(2) सहनशील होती है ।
(3) जन्म देने वाली माँ है ।
(4) समाज का निर्माण करती है ।

2. परिवार भी एक –
(1) समय है ।
(2) समाज है ।
(3) दासता है ।
(4) नवल बेला है ।

3. नारी का महत्त्व व आकर्षण बढ़ता है –
(1) ऊँची शिक्षा से ।
(2) त्याग, ममता आदि गुणों से ।
(3) सामाजिक व्यवहार से ।
(4) सुंदरता से ।

4. नारी परिवार की जान होती है, क्योंकि –
(1) समाज का संचालन करती है ।
(2) सर्वगुण सम्पन्न होती है ।
(3) परिवार में उसी की चलती है ।
(4) परिवार को एकसूत्र में बाँधे रखती है ।

5. 'भारतीय' शब्द में यह प्रत्यय जुड़ा है –
(1) इय
(2) इक
(3) ईय
(4) भार

6. 'तस्वीरें' शब्द का अन्य वचन है –
(1) तस्वीरों
(2) तस्वीर
(3) तस्वीरे
(4) तस्वीरा

7. 'भगवान' का पर्यायवाची शब्द है –
(1) प्रभु
(2) मेहमान
(3) दयावान
(4) भागवान

www.kpscvaani.com

8. उपरोक्त गद्यांश का सबसे उपयुक्त शीर्षक यह होगा –
   (1) राष्ट्र निर्माण
   (2) भारतीय नारी
   (3) अहिंसा की प्रतिमूर्ति
   (4) सौंदर्य का प्रतीक

निर्देश : सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए : (प्र.सं. **9** से **23** तक)

9. उपचारात्मक शिक्षा का उद्देश्य यह है –
   (1) शैक्षणिक कठिनाइयों का निराकरण ।
   (2) छात्रों का सर्वांगीण विकास ।
   (3) छात्रों का शारीरिक विकास ।
   (4) छात्रों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि ।

10. क्रिया के साथ जुड़ने वाले प्रत्यय कहलाते हैं –
   (1) तत्सम्
   (2) तद्भव
   (3) कृत्
   (4) तद्धित

11. विद्यार्थी के अधिगम संबंधी बुनियादी दोषों को सुधारने के लिए शिक्षक –
   (1) उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करेंगे ।
   (2) विशेष कक्षा का आयोजन करेंगे ।
   (3) स्वाध्याय का सुझाव देंगे ।
   (4) विशेष शिक्षक की सहायता लेंगे ।

12. अभिव्यक्तात्मक कौशल का उदाहरण है –
   (1) कहानी पढ़ना और पत्र लिखना ।
   (2) फिल्म देखकर कहानी समझना ।
   (3) कविता रचना ।
   (4) कंठस्थ कविता गायन ।

13. बालक सर्वप्रथम इस कौशल में दक्ष होता है –
   (1) वाचन
   (2) श्रवण
   (3) पठन
   (4) लेखन

14. मानक हिन्दी इस बोली से विकसित हुयी –
   (1) अपभ्रंश
   (2) पाली
   (3) खड़ीबोली
   (4) अवधी

15. भाषा-शिक्षण का प्रारंभ इस प्रकार होना चाहिए –
   (1) मौखिक
   (2) लिखित
   (3) प्रश्नोत्तर
   (4) साक्षात्कार

16. अधिगम सहायक सामग्री से लाभ है –
   (1) विद्यार्थी को आकर्षित करना ।
   (2) विषय को स्थायी व रोचक बनाना ।
   (3) विषय को गम्भीर बनाना ।
   (4) अपना प्रभाव जमाना ।

17. रचनात्मक मूल्यांकन प्रक्रिया इसका एक अंग है –
   (1) सतत् मूल्यांकन
   (2) व्यापक मूल्यांकन
   (3) वार्षिक परीक्षा
   (4) सेमेस्टर

www.kpscvaani.com

18. निम्नलिखित में से इस पद में प्रत्यय जुड़ा है :

(1) बावज़ूद (2) साप्ताहिक

(3) स्वागत (4) उपहार

19. गृहकार्य को छात्रों के लिए लाभप्रद बनाने हेतु निम्न में से आप इसे उचित समझते हैं :

(1) छात्रों की योग्यता के आधार पर गृहकार्य दिए जाएँ ।

(2) गृहकार्य छात्रों की रुचि के अनुसार हो ।

(3) गृहकार्य दैनिक जीवन से संबंधित हो ।

(4) उपरोक्त सभी

20. जब विद्यार्थी शब्दों को सही लिखकर, गलत बोलते हैं –

(1) लेखन त्रुटि (2) वाचन त्रुटि

(3) श्रवण त्रुटि (4) उच्चारण त्रुटि

21. इनमें से यह कथन सही है –

(1) विकारी शब्द में परिवर्तन नहीं होता ।

(2) काल, लिंग, वचन व पुरुष के अनुसार शब्दों में परिवर्तन ही विकारी शब्द है ।

(3) काल, लिंग, वचन व पुरुष के अनुसार शब्दों में परिवर्तन अविकारी शब्द कहलाता है ।

(4) अविकारी तथा विकारी शब्द में समानता है ।

22. 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों को व्याकरण का यह अंश पढ़ाया जाएगा –

(1) क्रिया के भेद (2) समास

(3) उपसर्ग (4) कारक

23. पाठ्य-पुस्तक में इसका होना अनिवार्य है :

(1) चित्रकथा (2) पाठों की अधिकता

(3) विषय की विविधता (4) बड़े-बड़े अक्षर

निर्देश : नीचे दिए गए कवितांश को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए : (प्र.सं. **24** से **30** तक)

चाहे जो भी फसल उगा ले
तू जलधार बहाता चल ।
जिसका भी घर चमक उठे;
तू मुक्त प्रकाश लुटाता चल ।
रोक नहीं अपने अंतर का
वेग किसी आशंका से,
मन में उठें भाव जो, उनको
गीत बनाकर गाता चल ।
तुझे फिक्र क्या, खेती को
प्रस्तुत है कौन किसान नहीं ?
जोत चुका है कौन खेत
किसको मौसम का ध्यान नहीं ?
कौन समेटेगा, किसके
खेतों से जल बह जाएगा ?
इस चिंता में पड़ा अगर
तो बाकी फिर ईमान नहीं ।

www.kpscvaani.com

24. कविता का मुख्य स्वर है –

(1) सबकी समृद्धि
(2) अपनी उन्नति
(3) समाज में समानता
(4) पारिवारिक सम्पन्नता

25. 'आशंका' शब्द का अर्थ है –

(1) आशा
(2) अभिलाषा
(3) अचंभा
(4) अंदेशा

26. कवितांश में यह प्रास शब्द नहीं है :

(1) उनको - खेती को
(2) अंतर - आशंका
(3) बहाता - लुटाता
(4) किसान - ध्यान

27. "गीत बनाकर गाता चल" से तात्पर्य है –

(1) गुनगुनाते चल ।
(2) भावों को प्रकट करता चल ।
(3) भावों को आनंदमय बनाकर प्रकट करता चल ।
(4) भावों को चिंता-मुक्त करता चल ।

28. कवि के अनुसार "ईमान" का स्वरूप है –

(1) खेत की चिंता करना ।
(2) किसान की चिंता करना ।
(3) सबको सुखमय और निरोग बनाना ।
(4) निश्चिंत होकर अपना कर्त्तव्य पूरा करना ।

29. 'फसल' शब्द का अन्य वचन यह है :

(1) फसलें
(2) फसले
(3) फसलों
(4) फसल

30. 'लुटाता' का द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप होगा –

(1) लूटता
(2) लुटवाता
(3) लुटाना
(4) लुटवाना

www.kpscvaani.com